



Rabhv

16 Mar 1952

01:32 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121866202

लिंग \_\_\_\_\_: स्त्रीलिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 16/03/1952  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 13:32:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 18:54:59 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Patna  
राज्य \_\_\_\_\_: Bihar  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 25:37:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 85:12:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:10:48 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 13:42:48 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:08:45 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 01:18:12 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:58:00 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:58:12 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:00:12 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 02:29:30 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 04:39:23 कर्क

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कर्क - चन्द्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: विशाखा - 3  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: गुरु  
योग \_\_\_\_\_: हर्षण  
करण \_\_\_\_\_: तैतिल  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: व्याघ्र  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: शूद्र  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: वायु  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ते-तेजिका  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

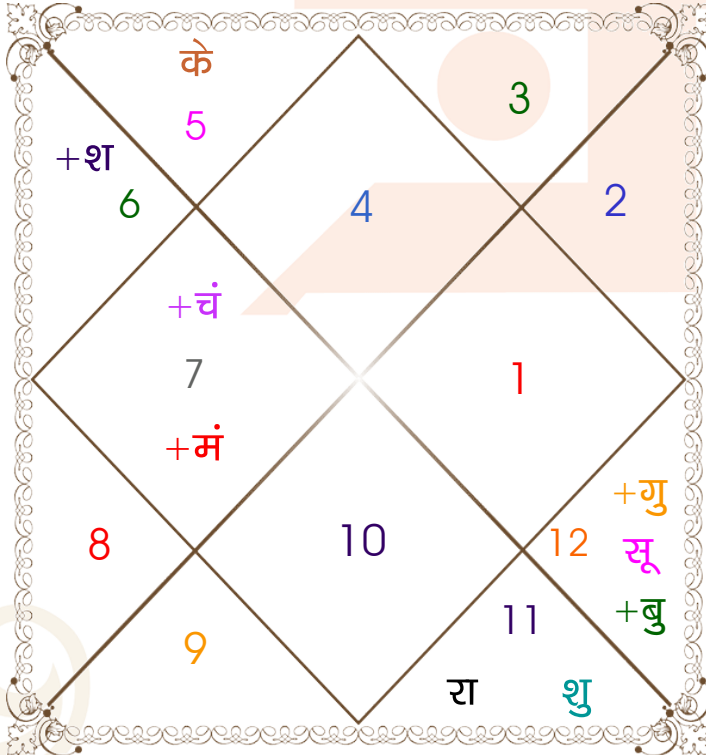
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:39:23	311:50:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			मीन	02:29:30	00:59:43	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	27:06:21	13:26:44	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			तुला	24:47:17	00:06:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			मीन	20:33:30	01:15:26	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मीन	26:25:31	00:13:52	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	06:29:13	01:13:51	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	19:39:46	00:04:21	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कुंभ	07:07:54	00:03:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	07:07:54	00:03:29	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मिथु	16:42:38	00:00:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
नेप	व		कन्या	27:48:42	00:01:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		कर्क	26:21:31	00:01:08	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मीन	27:58:19	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

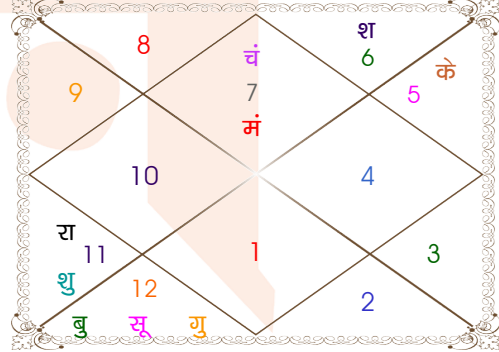
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:11:31

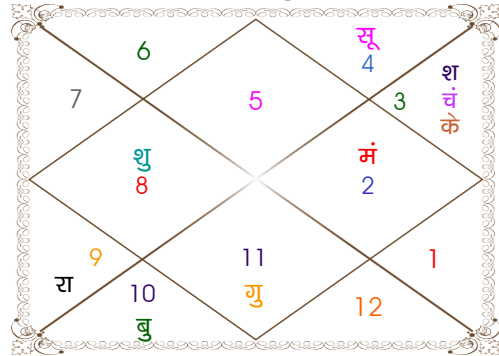
### लग्न-चलित



### चंद्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 5 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
16/03/1952	06/09/1959	05/09/1978	06/09/1995	05/09/2002
06/09/1959	05/09/1978	06/09/1995	05/09/2002	05/09/2022
00/00/0000	शनि 08/09/1962	बुध 01/02/1981	केतु 02/02/1996	शुक्र 05/01/2006
00/00/0000	बुध 19/05/1965	केतु 29/01/1982	शुक्र 03/04/1997	सूर्य 05/01/2007
00/00/0000	केतु 27/06/1966	शुक्र 29/11/1984	सूर्य 09/08/1997	चंद्र 05/09/2008
16/03/1952	शुक्र 27/08/1969	सूर्य 06/10/1985	चंद्र 10/03/1998	मंगल 05/11/2009
शुक्र 19/03/1954	सूर्य 09/08/1970	चंद्र 07/03/1987	मंगल 06/08/1998	राहु 05/11/2012
सूर्य 05/01/1955	चंद्र 09/03/1972	मंगल 03/03/1988	राहु 24/08/1999	गुरु 07/07/2015
चंद्र 06/05/1956	मंगल 18/04/1973	राहु 21/09/1990	गुरु 30/07/2000	शनि 05/09/2018
मंगल 12/04/1957	राहु 23/02/1976	गुरु 26/12/1992	शनि 08/09/2001	बुध 06/07/2021
राहु 06/09/1959	गुरु 05/09/1978	शनि 06/09/1995	बुध 05/09/2002	केतु 05/09/2022

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/09/2022	05/09/2028	05/09/2038	05/09/2045	06/09/2063
05/09/2028	05/09/2038	05/09/2045	06/09/2063	00/00/0000
सूर्य 24/12/2022	चंद्र 06/07/2029	मंगल 01/02/2039	राहु 18/05/2048	गुरु 24/10/2065
चंद्र 25/06/2023	मंगल 04/02/2030	राहु 20/02/2040	गुरु 12/10/2050	शनि 06/05/2068
मंगल 30/10/2023	राहु 06/08/2031	गुरु 26/01/2041	शनि 18/08/2053	बुध 12/08/2070
राहु 23/09/2024	गुरु 05/12/2032	शनि 07/03/2042	बुध 06/03/2056	केतु 19/07/2071
गुरु 12/07/2025	शनि 06/07/2034	बुध 04/03/2043	केतु 25/03/2057	शुक्र 16/03/2072
शनि 24/06/2026	बुध 06/12/2035	केतु 31/07/2043	शुक्र 24/03/2060	00/00/0000
बुध 01/05/2027	केतु 06/07/2036	शुक्र 29/09/2044	सूर्य 16/02/2061	00/00/0000
केतु 06/09/2027	शुक्र 07/03/2038	सूर्य 04/02/2045	चंद्र 18/08/2062	00/00/0000
शुक्र 05/09/2028	सूर्य 05/09/2038	चंद्र 05/09/2045	मंगल 06/09/2063	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 5 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से पारिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से सामान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृत्ति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृत्ति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण्ण नहीं रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृत्तियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रखें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्ट्रिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।